

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II-खण्ड 3-उपखण्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (li)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

नई बिल्ली, बुधवार, फरवरी 23, 1977 फाल्गुन 4, 1898

No. 93] NEW CELHI, WEDNEST AY, FEBRUARY 23, 1977/FHALGUNA 4, 1898[

इस भाग में भिन्न पष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अबग संकलन के रूप में रखा था सब ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 23rd February 1977

8.0. 190(E)/15A/IDRA/77.—Whereas Messrs Shalimar Biscuits Limited, Bombay owning two industrial undertaking at Sun Mills compound, Lower Parel, Bombay and at Secundrabad, is being wound up under the supervision of the Bombay High Court and the business of the company is not being continued;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is necessary, in the interests of the general public, and, in particular, in the interests of production of the articles manufactured in the said industrial undertakings, to investigate into the possibility of running or re-starting the aforesaid-industrial undertaking;

And, whereas, on an application under section 15A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), made by the Central Government to the Bombay High Court praying for permission to make an investigation into such possibility, the Bombay High Court has by its Order dated 24th January, 1977, granted the requisite permission:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15A of the industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government

hereby appoints, for the purpose of making an investigation into the possibility of re-starting the aforesaid industrial undertaking, a body of persons consisting of:

Chairman

 Shri S. Ramaswamy, Officer on Special Duty, Directorate General of Technical Development, New Delhi

Members

- Shri D. B. Chakki, Manager (Finance), Industrial Reconstruction Corporation of India Ltd., Calcutta.
- Dr M. M. Krishna, General Manager, Modern Bakeries Ltd. (Research & Development Unit) New Delhi.
- 2. The above body shall submit the report to the Central Government by the 31st March, 1977.

[No. F. 2(23)/75-CUC]

A. K. GHOSH, Addl. Secy.

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

ग्रादेश

नर्3 दिल्ली, 23 फरवरी, 1977

का॰ आ॰ 190(म) 15क माई की मार ए'77.—मैसर्स शालीमार बिस्कुट्स लिमि-टेड, मुम्बई, जो सनेमिल्स महाता, लोग्नर परेल, बम्बई मौर सिकन्दराबाद में, दो श्रौद्योगिक उपक्रमों की स्वामी है, मुम्बई उच्च न्यायालय के पर्यवेक्षण के श्रद्यीन परिसमाप्ति की जा रही है भौर इस कम्पनी का कारोबार जारी नहीं रखा जा रहा है;

श्रीर केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोक हित में तथा, विशेष ⊕प से, उक्क श्रीद्योगिक उपक्रमों द्वारा विनिर्मित वस्तुग्रो के उत्पादन के हित में, यह श्रावश्यक है कि पूर्वोक्त श्रीद्योगिक उपक्रम को चलाने या पुन. श्रारम्भ करने की सभावना की जाच की जाए;

भीर उद्योग (विकास भीर विनियमन) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15क के श्रधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मुम्बई उच्च न्यायालय को किए गए श्रावेदन पर, जिसमें ऐसी सम्भावना की जाच करने की धनुज्ञा देने की प्रर्थना की गई है, मुम्बई उच्च न्यायालय ने भ्रपने 24 जनवरी, 1977 के भ्रादेश द्वारा भ्रपेक्षित भनुज्ञा प्रदान कर दी है;

भ्रत', भ्रब, उद्योग (विकास भ्रौर विनियमन) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, पूर्व क्त भौद्योगिक उपक्रम को पुन: भारम्भ करने की संभावना को जाच के प्रयोजन के लिए व्यक्तियों का एक निकाय नियुक्त करती है, जिसमें निम्नलिखित होंगे:

क स्माक्ष

 श्री एस० रामास्वामी, विशेष काय ग्रधिकारी, तुंतकनीकी विकास महानिदेशालय, नई दिल्ली ।

सदस्य

- 2. श्री डी० बी॰ चक्की, इन्डस्ट्रियल रीकन्स्ट्रक्शन कारपोरेशन आफ इण्डिया लिमिटेड, कलकत्ता।
- 3. डा॰ एम॰ एम॰ कृष्ण, महाप्रबन्धक, मौडर्न बैंकरीज लिमिटेड (श्रनुसंधान भ्रौर विकास एकक), नई दिल्ली।
- 2. उपर्युक्त निकास श्रपनी रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को 31 मार्च, 1977 तक प्रस्तुक्ष करेगा।

[सं॰ फा॰ 2(23)/75 सी यूसी] ए॰ के॰ घोष, भ्रपर सचिव।